विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

संगीत विभाग

वार्षिक गीत (माध्यमिक कक्षाओं के लिए)

सत्र – 2025–26

समरसता मान बिन्दु यह भारत देश महान है।
कोई छोटा–बड़ा नहीं है सब जन एक समान हैं।।

1. हिल मिल कर हम सब रहते हैं, कुटुम्ब की भावना।
   सबकी जय हो प्रगति हो सबकी, रखते हैं यह कामना।
   जन जन का उत्थान हो बस अब, यही एक अभियान है।
   कोई छोटा–बड़ा नहीं है, सब जन एक समान हैं।।

2. सभी स्वस्थ हों सभी निरोगी, सबका यह शुभ चिन्तन हो।
   हरित भूमि हो शस्य श्यामला, धरा का सुन्दर कण–कण हो।।
   पर्यावरण व्यवस्थित हो अब, देना इस पर ध्यान है।
   कोई छोटा–बड़ा नहीं है, सब जन एक समान है।।

3. बोध हो 'स्व' का बनें स्वदेशी, गाँव–गाँव उद्योग बढ़े।
   निज कर्तव्यों को समझें और राष्ट्रधर्म के मूल्य गढ़ें।।
   भारत है सिरमौर जगत में, गूँजे यह फिर गान है।
   कोई छोटा–बड़ा नहीं है, सब जन एक समान हैं।।

*****